Resource: अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

License Information

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

DAN

दानिय्येल 1:1–21, दानिय्येल 2:1–49, दानिय्येल 3:1–30, डैनियल 4:1–5:31, दानिय्येल 6:1–28, दानिय्येल 7:1–12:13

दानिय्येल 1:1–21

दानिय्येल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बाबेल में 605 ईसा पूर्व ले जाया गया था। उन्हें बाबेली शासन में सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। उन्हें बाबेली तरीकों को सीखना और उनका पालन करना था। इसमें बाबेल के लोगों की तरह बोलना, पढ़ना, लिखना, खाना, सोचना और निर्णय लेना शामिल था। दानिय्येल और उनके दोस्तों ने इसे अपना काम मान लिया। उन्होंने इसके खिलाफ लड़ाई नहीं की। परमेश्वर ने उन्हें ज्ञान, समझ और बुद्धि दी। परमेश्वर की आशीष के परिणामस्वरूप वे अपने काम में सफल हुए। चारों मित्रों ने जीवन जीने के लिए परमेश्वर के मार्गों का ईमानदारी से पालन किया। परमेश्वर ने समझाया था कि वह चाहता है कि याकूब की वंशावली किस प्रकार जीए। उन्होंने इसे सीनै पहाड़ की वाचा में उन्हें समझाया था। परमेश्वर के लोगों को इस वाचा के प्रति वफादार रहना था। इसी तरह वे याजकों का राज्य और एक पवित्र राष्ट्र के रूप में जीते। सीनै पहाड़ की वाचा के कई हिस्से बाबेल में पालन नहीं किए जा सकते थे। इसमें बलिदानों के बारे में कई नियम शामिल थे। लेकिन स्वच्छ और अशुद्ध खाद्य पदार्थों के बारे में व्यवस्था का पालन किया जा सकता था। दरबार के अधिकारी ने दानिय्येल और उनके दोस्तों को उन नियमो का पालन करने की अनुमति दी। यह एक तरीका था जिससे दानिय्येल और उनके दोस्तों ने दिखाया कि वे परमेश्वर के लोग थे। वे अभी भी परमेश्वर के लोग थे, भले ही वे दक्षिणी राज्य से दूर रहते थे।

दानिय्येल 2:1–49

दानिय्येल सीनै पहाड़ वाचा के प्रति केवल परमेश्वर की आराधना करके वफादार था। जब उसे मदद की ज़रूरत थी, तो उसने परमेश्वर से प्रार्थना की। दानिय्येल ने ज्ञान प्राप्त करने के लिए जादू का उपयोग नहीं किया। उसने परमेश्वर से पूछा कि उसे दिखाए कि नबूकदनेस्सर का सपना क्या था और उस सपने का क्या मतलब था। उसने परमेश्वर की प्रशंसा की और उसकी मदद करने के लिए उसे धन्यवाद दिया। जब उसने नबूकदनेस्सर के सपने के बारे में बताया तो वह विनम्र था। उसने स्पष्ट किया कि परमेश्वर ने उसे रहस्य समझाया था। नबूकदनेस्सर ने पहचाना कि दानिय्येल के परमेश्वर के पास अन्य देवताओं से अधिक ज्ञान और सामर्थ है। दानिय्येल ने यह भी स्पष्ट किया कि परमेश्वर के पास किसी भी मानव शासक से अधिक अधिकार है। परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर और अन्य शासकों को कुछ समय के लिए शक्ति और अधिकार दिया था। लेकिन एक दिन, परमेश्वर हमेशा के लिए परमेश्वर के राज्य में राजा के रूप में शासन करेंगे।

दानिय्येल 3:1–30

बाबेल ने कई अलग-अलग लोगों के समूहों पर शासन किया। नबूकदनेस्सर ने सभी को एक झूठे देवता की मूर्ति की आराधना करने का आदेश दिया। यह देखने के लिए एक परीक्षा थी कि क्या उन्होंने अपने ऊपर राजा के रूप में नबूकदनेस्सर के अधिकार को स्वीकार किया है।शद्रक, मेशक और अबेदनगो नम्र थे। उन्होंने नबूकदनेस्सर से सम्मान के साथ बात की। इससे पता चला कि उन्होंने नबूकदनेस्सर के अधिकार को स्वीकार किया। लेकिन वे केवल परमेश्वर की आराधना करके सीनै पहाड़ की वाचा के प्रति वफादार थे। उन्होंने झूठे देवताओं की आराधना करने से इनकार कर दिया। इसका मतलब था कि नबूकदनेस्सर की आज्ञा न मानने के कारण उन्हें नुकसान पहुंचाया जाएगा और मृत्यु की सज़ा दी जाएगी। उन्हें विश्वास था कि परमेश्वर के पास उन्हें बचाने की सामर्थ है। लेकिन भले ही परमेश्वर ने उन्हें बचाने का फैसला नहीं किया, फिर भी वे परमेश्वर के प्रति वफ़ादार रहेंगे। नबूकदनेस्सर ने आदेश दिया कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को मार डाला जाए। वह हैरान था कि उसने जो आदेश दिया था वह नहीं हुआ। परमेश्वर ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो की रक्षा के लिए एक दूत भेजा। इससे नबूकदनेस्सर को पता चला कि यहूदियों का परमेश्वर उससे अधिक शक्तिशाली था। उनके परमेश्वर के पास वह शक्ति थी जो अन्य देवताओं के पास नहीं थी। इसलिए नबूकदनेस्सर ने जिन लोगों पर शासन किया उन्हें यहूदियों के परमेश्वर की आराधना करने की अनुमति दी।

डैनियल 4:1–5:31

नबूकदनेस्सर ने उन लोगों को एक पत्र लिखा जिन पर वह शासन करता था। इसमें उसके विनम्र होने की कहानी बताई गई थी। एक बार फिर दानिय्येल ने नबूकदनेस्सर को एक सपना समझाया जिसने राजा को भ्रमित कर दिया था। बड़ा, मजबूत पेड़ नबूकदनेस्सर के शासन का संकेत था। जंगली जानवर पेड़ की शाखाओं के नीचे सुरक्षित रहते थे। लेकिन मजबूत पेड़ बने रहने के बजाय नबूकदनेस्सर जंगली जानवर जैसा हो जाएगा। ऐसा तब होगा जब वह दानिय्येल की सलाह का पालन नहीं करेगा। दानिय्येल की सलाह वैसी ही थी जैसी भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर के लोगों के अगुवों से कही थी। आमोस और यशायाह ने प्राधानो को दूसरों के साथ बुरा व्यवहार करना बंद करने की चेतावनी दी थी। ये चेतावनियाँ आमोस 5:10–15 और यशायाह 1:21–28 में दर्ज हैं। इन भविष्यवक्ताओं ने अगुवों को सही और न्यायपूर्ण कार्य करने की चेतावनी दी थी। इससे पता चलता है कि अगुवों ने पहचान लिया कि परमेश्वर कौन है। इससे पता चलता कि वे समझते थे कि परमेश्वर चाहता है कि लोग किस तरह जीएँ। यही बात दानिय्येल ने नबूकदनेस्सर से भी कही। लेकिन नबूकदनेस्सर अभिमान से भरा रहा। उसने दावा किया कि उसकी सफलता उसके अपने बल और महिमा के कारण है। इसके कारण, परमेश्वर उसके खिलाफ न्याय लाए। मानव शासकों की तरह जीने के बजाय नबूकदनेस्सर जंगली जानवर की तरह जीने लगा। जब न्याय का समय समाप्त हुआ, परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर पर दया दिखाई। इससे नबूकदनेस्सर विनम्र हो गया। उसने परमेश्वर को महिमा दी। इसका मतलब है कि नबूकदनेस्सर ने खुद को सम्मानित करने के बजाय परमेश्वर का सम्मान किया। नबूकदनेस्सर समझ गया कि परमेश्वर के पास स्वर्गीय दुनिया और पृथ्वी पर पूरा अधिकार है। बेलशस्सर नबूकदनेस्सर के बाद एक शासक था। उसे नबूकदनेस्सर के विनम्र होने की कहानी पता थी। लेकिन बेलशस्सर ने परमेश्वर का सम्मान और आदर करना नहीं चुना। यरूशलेम के मंदिर सेउठाए गए प्यालों के इस्तेमाल के तरीके से यह स्पष्ट था। जो लिखा हुआ संदेश दानिय्येल ने समझाया, वह बेलशस्सर के खिलाफ एक न्याय का संदेश था। बेलशस्सर ने दया नहीं मांगी और न ही यह दिखाया कि इस संदेश ने उसे विनम्र बनाया। परमेश्वर ने फारसी शासन का उपयोग अपने उपकरण के रूप में किया। परमेश्वर ने बेलशस्सर के खिलाफ़ घोषित किए गए न्याय को लाने के लिए फारसियों का इस्तेमाल किया।

दानिय्येल 6:1–28

यिर्मयाह ने बाबेल में बँधुआई में रह रहे यहूदियों को सलाह दी थी (यिर्मयाह 29:4–7) । दानिय्येल ने उस सलाह का पालन किया। उसने उस शहर की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की जहाँ वह बँधुआई में रह रहा था। परमेश्वर ने उसे उसके काम में सफलता दी। दानिय्येल बाबेल में कई शासकों पर प्राधान था। अन्य प्राधान और शासक उससे ईर्ष्या करते थे। केवल दारा मेदी से प्रार्थना करने के बारे में नियम दानिय्येल को नुकसान पहुंचाने के लिए एक जाल था। यह वही शासक नहीं था जिसे दारा कहा गया है, जैसा कि एज्रा की पुस्तक में उल्लेख किया गया है। लेकिन दानिय्येल सीनै पहाड़ की वाचा के प्रति वफादार बना रहा। वह केवल परमेश्वर से ही प्रार्थना करता रहा। जिस कमरे में वह प्रार्थना करता था, वह यरूशलेम की दिशा में था। सुलैमान ने मंदिर की दिशा में प्रार्थना करने के बारे में बात की थी (1 राजा 8:48–49)। यरूशलेम से दूर रहने वाले परमेश्वर के लोग ऐसा कर सकते थे। इससे उन्हें यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती कि परमेश्वर उनकी प्रार्थनाओं को सुनता है और उनकी मदद करेगा। परमेश्वर से प्रार्थना करने का मतलब था कि दानिय्येल को दारा की आज्ञा का पालन न करने के कारण मौत की सजा दी जाएगी। दारा नहीं चाहता था कि दानिय्येल को नुकसान पहुंचे। लेकिन उसने उस नियम का पालन किया जो उसने बनाया था। उसने आदेश दिया कि दानिय्येल को मौत के घाट उतार दिया जाए। दारा बहुत खुश था कि उसने जो आदेश दिया था वह नहीं हुआ। परमेश्वर ने दानिय्येल की रक्षा के लिए एक स्वर्गदूत भेजा। इससे दारा को पता चला कि दानिय्येल का परमेश्वर उससे अधिक शक्तिशाली था। दारा समझ गया कि दानिय्येल के परमेश्वर के पास पृथ्वी और स्वर्ग पर पूर्ण सामर्थ है।

दानिय्येल 7:1–12:13

इन अध्यायों में वे दर्शन और संदेश दर्ज हैं जो परमेश्वर ने दानिय्येल को दिए थे। इन्हें प्रलय लेखन के रूप में दर्ज किया गया है। ये रहस्य थे जो दानिय्येल को व्याकुल करते थे। दानिय्येल ने बाबेल के राजाओं के सपनों और रहस्यों की व्याख्या की थी। उसी तरह, जिब्राईल और अन्य स्वर्गदूतों ने ये रहस्य दानिय्येल को समझाए। तब भी दानिय्येल ने दर्शन और संदेशों को पूरी तरह से नहीं समझा था। दानिय्येल ने जो जानवर देखे थे, वे शासनो के लिए संकेत थे। सैकड़ों साल बाद यूहन्ना के दर्शन में भी जानवर शासनो के लिए संकेत थे। यूहन्ना के दर्शन प्रकाशितवाक्य के अध्याय 13, 16 और 19 में दर्ज हैं। दानिय्येल ने जो जानवर देखे थे वे बाबेल, फारस, यूनान, मिस्र और सीरिया के संकेत थे। जानवरों के सींग उन शासनो के प्राधानो के संकेत थे। उन अगुवों की क्रियाओं का वर्णन अध्याय 11 में किया गया है। इनमें से कुछ अगुवे उस पाप के मनुष्य के समान थे जिसका वर्णन पौलुस ने कई साल बाद किया था। दर्शन दानिय्येल के समय के बाद की घटनाओं के बारे में थे। इन दर्शन में वर्णित कुछ घटनाएँ एंटिओकस IV के शासनकाल के दौरान हुईं। वह सीरिया में एक यूनानी राजा था। उसने यहूदा और इस्राएल की भूमि में यहूदियों पर शासन किया। एक समय उसने उन्हें मंदिर में परमेश्वर की आराधना

दानिय्येल *7:1–12:13*

करने से रोक दिया। यह यहूदियों के परमेश्वर के लोग होने का अंत जैसा प्रतीत हुआ। यही एक कारण है कि ये दर्शन अंत समय के बारे में हैं। लेकिन यहूदियों ने एंटिओकस IV का दृढ़ता से विरोध किया और उस पर विजय प्राप्त की। यहूदियों ने इस कहानी को उन पुस्तकों में दर्ज किया जो पुराने नियम में शामिल नहीं हैं। दानिय्येल की दर्शन आशा और सांत्वना लाते हैं। वे परमेश्वर के लोगों को याद दिलाती हैं कि परमेश्वर मानव शासकों की बुरे कार्यों को रोक देगा। परमेश्वर अपने लोगों की देखभाल करेगा, भले ही वे कष्टों का सामना करें। स्वर्गदूत मीकाईल का कार्य इसे स्पष्ट करता है। मीकाईल ने आत्मिक लड़ाइयों में परमेश्वर के लोगों की मदद की। दानिय्येल ने 70 वर्षों तक चलने वाले बँधुआई के बारे में यिर्मयाह की भविष्यवाणी पढ़ी। दानिय्येल ने पहचाना कि बँधुआई दक्षिणी राज्य के लोगों के खिलाफ़ परमेश्वर का न्याय था। उन्होंने प्रार्थना की और परमेश्वर से निर्वासन समाप्त करने के लिए कार्रवाई करने को कहा। उन्हें भरोसा था कि परमेश्वर उन पर दया करेंगे। उसने ऐसा इसलिए नहीं माना क्योंकि यहूदी धर्मनिष्ठ थे और परमेश्वर की आज्ञा मानते थे। उसने इस पर विश्वास किया क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रेम करता था। दानिय्येल चाहता था कि सभी लोग जानें कि परमेश्वर ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है। उसका मानना था कि ऐसा तभी होगा जब परमेश्वर यरूशलेम और मंदिर को फिर से बनाने देगा। नए नियम के लेखकों ने उन दर्शन और संदेशों के बारे में कुछ समझा जो परमेश्वर ने दानिय्येल को दिए थे। उन्होंने समझा कि उनके कुछ हिस्से यीशु के जीवन और कार्य के माध्यम से सच हुए। यह मनुष्य के पुत्र और अनंत परमेश्वर के मामले में यही स्थिति थी। यह उस जीवन के साथ भी सच था जो कभी समाप्त नहीं होगा। यीशु के पास यह जीवन था जब परमेश्वर ने उसे मृतकों में से जीवित किया। उसका पुनरुत्थान का मतलब है कि जो भी यीशु पर विश्वास करता है उसे अनंत जीवन मिलेगा।